आय वृद्धि के लिए खाद्य प्रसंस्करण एक नया चेहरा है – भा.कृ.अनु.प.-सिफेट, लुधियाना ने खाद्य प्रसंस्करण पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कटाई उपरान्त अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आई सी ए आर- सीफेट), लुधियाना ने 14 नवंबर, 2023 को कृषि और पशुधन उपज के खाद्य प्रसंस्करण, पैकेजिंग और मूल्य संवर्धन पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की मानव संसाधन के दौरान विकसित किये गए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में, विभिन्न संस्थानों के तकनीकी कर्मचारी शामिल हैं। उद्घाटन समारोह का नेतृत्व कृषि अभियांत्रिकी कॉलेज, पीएयू, लुधियाना के डीन डॉ. मंजीत सिंह ने किया। डॉ. सिंह ने पंजाब में मशीनीकरण के महत्व पर जोर दिया और खाद्य प्रसंस्करण में इसी तरह की प्रगति की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आय वृद्धि के साधन के रूप में खाद्य प्रसंस्करण के बढ़ते महत्व और वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। सिफेट के निदेशक डॉ. नचिकेत कोतवालीवाले ने भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् और भारत में निजी क्षेत्र सहित विभिन्न संस्थानों द्वारा विकसित फसल कटाई उपरांत की प्रौद्योगिकियों पर चर्चा की। उन्होंने प्रतिभागियों को आश्वासन दिया कि प्रशिक्षण से शैक्षणिक और उद्यमशीलता दोनों गतिविधियों को लाभ होगा। सिफेट, फसल कटाई उपरांत के क्षेत्र में एक नोडल संस्थान के रूप में, उद्यमी या प्रोसेसर बनने का लक्ष्य रखने वाले हितधारकों को तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए खुला है। प्रशिक्षण कार्यक्रम, जिसमें भारत भर के नौ राज्यों के ग्यारह प्रतिभागियों ने भाग लिया। सिफ़ेट के वैज्ञानिकों डॉ. अरमान मुज़ादादी, डॉ. राहुल कुमार, डॉ. गुरु पी.एन. और डॉ. विकास कुमार इस कार्यक्रम का समन्वयक का कम कर रहा है।